19

व्यक्तित्व का मूल्यांकन

पिछले पाठ में आपने व्यक्तित्व के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में पढ़ा है। ये थे मनोविश्लेषक, गुणात्मक, सामाजिक–संज्ञानात्मक, मानवतावादी और भारतीय दृष्टिकोण, गुणाधारित। यदि हम किसी एक विशेष सिद्धांत पर आधारित किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व के विशिष्ट पक्षों को निश्चित करना चाहते हैं, तो उन्हें मापने के लिए विशिष्ट तकनीकें हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी व्यक्ति में प्रभावी गुणों को जानना चाहते हैं जैसे क्या वह बहिर्मुखी या अंतर्मुखी है, तो इस जानकारी को पाने के लिए विशेष मनोवैज्ञानिक विधियाँ विकसित की गई हैं। इसी प्रकार यदि हम किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व के अचेतन पक्ष को जानना चाहें तो उसे मापने के लिए हमें मनोविश्लेषक विधि का प्रयोग करना होगा। इस पाठ में आप व्यक्तित्व को मापने की विभिन्न विधियों के बारे में पढ़ेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप समर्थ होंगे :

- विभिन्न सैद्धांतिक तरीकों पर आधारित व्यक्तित्व का मापन करने में।

19.1 व्यक्तित्व के विशेषकों का मूल्यांकन

व्यक्तित्व के विशेषकों को मापने के दो तरीके हैं। एक तरीके में कुछ प्रश्न पूछे जाते हैं जिनके उत्तर में व्यक्ति को अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों के बारे में बताना होता है। इस उद्देश्य के लिए एक व्यक्तित्व मापनी का प्रयोग किया जाता है। दूसरे तरीके में कोई दूसरा व्यक्ति किसी व्यक्ति के विशेषकों का मापन करता है जो उस व्यक्ति के बारे में पूर्व ज्ञान या प्रत्यक्ष प्रेक्षण पर आधारित होता है। इसे रेटिंग–स्केल विधि कहते हैं।

व्यक्तित्व मापनी प्रश्नावलियाँ हैं वहाँ विभिन्न परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया के बारे में विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। एक व्यक्तित्व मापनी की ऐसी रूपरेखा बनाई जा सकती है जो एक ही विशेषक जैसे बहिर्दर्शन, अंतर्दर्शन या अनेक विशेषकों की माप कर सकती है। उदाहरण के लिए यदि एक व्यक्ति इस प्रश्न, "क्या आप सामाजिक परिस्थितियों में पार्श्व में रहते हैं" यह अंतर्दर्शन का संकेत है। वास्तव में, मापन विभिन्न परिस्थितियों से संबंधित अनेक प्रश्नों पर आधारित होगा, न कि केवल एक प्रश्न पर। सोलह कारक व्यक्तित्व प्रश्नावली (The sixteen factor personality questionnaire) (16PF) और मिनीसोटा बहुआयामी व्यक्तित्व मापनी ¼Minnesota multiphasic personality inventory (MMPI) ये दो बहुत प्रसिद्ध मापिनी हैं जो व्यक्ति के विशेषकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में उपयोगी हैं।

मापिनी बहुत उपयोगी होती है, किंतु जब व्यक्ति अपनी प्रतिक्रियाओं के बारे में बताता है, कभी–कभी वह अपनी स्वयं की विशेषताओं के बारे में आग्रही हो जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए व्यक्तित्व के विशेषकों के मूल्यांकन के लिए निर्धारण मापनी पर आधारित दूसरे तरीके का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति को दूसरे के आत्म–विश्वास के स्तर का वर्णन प्वाइंट स्केल के प्रयोग से न्यूनतम (1)* से अधिकतम (7)* करने को कहा जा सकता है।

निर्धारण के उपयोगी एवं वैध होने के लिए निर्धारक के लिए कुछ शर्तें हैं जिनका उसे पालन करना चाहिए। निर्धारकों को (क) मापनी को समझने योग्य होना चाहिए (ख) उस व्यक्ति को जिसके लिये मापनी तैयार करनी है, अच्छी तरह से जानना और (ग) अपने निर्णयों में व्यक्ति के प्रति पक्ष या विपक्ष में पक्षपात न करना, होना चाहिए।

19.2 मनोविश्लेषक दष्टिकोण में मूल्यांकन

आप को पिछले पाठ से याद आयेगा, मनोविश्लेषक दष्टिकोण व्यक्ति के अचेतन अंतर्द्वंद्वों एवं अभिप्रेरणों पर बल देता है। किंतु व्यक्ति के व्यक्तित्व का अचेतन भाग (इस विचार में मुख भाग) आत्म सजगता से छुपा होता है। इसलिए मनोविश्लेषक को उसकी अप्रत्यक्ष सांकेतिक सूचना का प्रयोग करना पड़ता है। और अचेतन अंतर्द्वंद्वों और अभिप्रेरकों के रहस्य को खोलने के लिए व्याख्या करनी पड़ती है।

इस विधि में, यदि मनोविश्लेषक किसी व्यक्ति के अचेतन मन की प्रक्रियाओं का ज्ञान प्राप्त करना चाहता है तो वह अनेकार्थक सामग्री प्रस्तुत करता है और व्यक्ति से कहता है कि जो दिखाई दे रहा है उसका वर्णन करो। यह अनेकार्थक सामग्री इंक–ब्लाट या कोई चित्र हो सकता है जिसे व्यक्ति अपने अनुभव या कल्पना के आधार पर पढ़ता है या अभिव्यक्त करता है। इस प्रकार व्यक्ति के अचेतन मन को टेप कर लिया जाता है और उसके बारे में कुछ रहस्य खोला जाता है। 'रोशा टेस्ट' और 'थिमेटिक एपर्शेप्शन टेस्ट (टी.ए.टी.) दो प्रसिद्ध प्रक्षेपक परीक्षण हैं। पहला इंकब्लाट पर तथा दूसरा मानव–चित्रों पर आधारित है। उदाहरण के लिए एक टी.ए.टी चित्र किसी बच्चे की पीठ की तरह का हो सकता है, जो सूर्य की तरफ देख रहा है। यह पूछने पर कि बच्चा क्या

देखता है, कोई व्यक्ति कह सकता है "बच्चा सोच रहा है कि वह जीवन में बहुत कुछ प्राप्त करेगा। इस प्रकार व्यक्ति ने स्वयं के जीवन में बड़ी चीजें प्राप्त करने की बात को प्रक्षेपित कर सकता है।

पाठगत प्रश्न 19.1

उपयुक्त श्ब्दों से रिक्त स्थान भरिये :

1. ———————————— में एक व्यक्ति को विभिन्न परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया के संबंध में अनेक प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
2. पूर्व ज्ञान पर आधारित किसी व्यक्ति के विशेषकों के वर्णन को ———————— विधि कहते हैं।
3. —————————— सांकेतिक अर्थों का प्रयोग करता है मनोविश्लेषक द्वारा इसकी व्याख्या अचेतन अंतर्द्वंद्वों के रहस्य खोलने के लिए की जाती है।
4. ————————————— परीक्षण में मानव आकतियाँ शामिल होती हैं जिसके बारे में व्यक्ति को एक संक्षिप्त कहानी बतानी पड़ती है।

19.3 मानवतावादी परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन

आपने पिछले पाठ में पढ़ा है कि व्यक्तित्व को मानवतावादी उपागम का ध्यान व्यक्ति के अपने संसार के अनुभव पर केंद्रित है। इसलिए यहाँ मूल्यांकन का संबंध व्यक्ति की अपने जीवन की परिस्थितियों और अनुभवों के बारे में प्रत्यक्षीकरण को समझने से है। व्यक्ति के आत्म संप्रत्यय को मापने के बहुत सी विधियाँ विकसित की गई हैं। एक उपागम उस व्यक्ति पर आधारित होता है जो बहुत से वर्णनात्मक वाक्यों में ऐसे वाक्यों को चुनता है जो उसका बहुत सही ढंग से वर्णन करते हैं। "मैं एक आत्मविश्वासी व्यक्ति हूँ", "मैं अक्सर आशंकित होता हूँ", "मैं एक निष्कपट और परिश्रमी छात्र हूँ" आदि। दूसरा उपागम उस व्यक्ति पर ध्यान देता है जो अपने आंतरिक स्वभाव या आत्म को दूसरों पर व्यक्त करने को इच्छुक रहता है। यह उपागम इस समझ पर आधारित है कि आत्म–प्रकटीकरण के अधिक उच्च या अधिक निम्नस्तर दोनों ही सांवेगिक अपरिपक्वता की ओर संकेत करते हैं।

19.4 गुणों का मूल्यांकन

पिछले पाठ में आपने व्यक्तित्व के बारे में भारतीय उपागम के बारे में भी पढ़ा जो तीन गुणों पर बल देता है : सत्व, रज और तम। इस धारणा पर आधारित व्यक्ति के स्वभाव का मूल्यांकन करने के लिए हमें यह समझने की आवश्यकता है कि कौन सा गुण कम प्रभावी है और अंततः बहुत कम है। उदाहरण के लिए एक व्यक्ति जो अत्याधिक सत्यनिष्ठ, विरक्त, और सहयोगी है वह सत्व प्रधान है। किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व में कौन से गुण प्रबल हैं का मूल्यांकन करने के लिए प्रश्नावली, प्रेक्षण आदि का प्रयोग करके

हमें सम्मिलित सूचना प्राप्त करनी होगी। कुछ ऐसी मापनी विकसित की गई है जो हमें यह जानकारी देती हैं कि व्यक्ति के व्यक्तित्व में कौन से गुण क्रियाशील हैं।

पाठगत प्रश्न 19.2

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

1. ————————— उपागम में मूल्यांकन व्यक्ति के अपने संसार में कैसे प्रत्यक्ष करता है, पर बल दिया जाता है।
2. एक व्यक्ति अपने आंतरिक स्वभाव या आत्म को दूसरों के सामने व्यक्त करने की इच्छा को ————————— की प्रवत्ति कहते हैं।
3. भारतीय गुणों के मूल्यांकन का उपागम व्यक्ति के व्यक्तित्व में कौन सा गुण ————————— है, जानने का प्रयास करता है।
4. ————————— विधि जो विशेषक उपागम में प्रयोग होता है गुणों के परिप्रेक्ष्य में भी प्रयोग किया जाता है।

आपने क्या सीखा

- व्यक्तित्व मूल्यांकन व्यक्तित्व के सिद्धांत से संबंधित है जिसके द्वारा हम व्यक्ति को समझना चाहते हैं।
- मूल्यांकन का विशेषक उपागम व्यक्तित्व मापनी और निर्धारण मापनी का प्रयोग करता है।
- मूल्यांकन का मनोविश्लेषक उपागम प्रक्षेपक तकनीक का प्रयोग करता है जिसमें व्यक्ति अनेकार्थक सामग्री जैसे इंक ब्लाट का प्रयोग किया जाता है।
- व्यक्तित्व मूल्यांकन का मानवतावादी उपागम यह पता लगाने का प्रयास करता है कि व्यक्ति अपने संसार का प्रत्यक्ष कैसे करता है।
- मूल्यांकन का गुण उपागम बहुविध तरीकों पर विश्वास करता है जिसमें मापनी (विस्तत सूची) आती है।

पाठांत अभ्यास

संक्षेप में लिखिये कि व्यक्तित्व मूल्यांकन निम्नांकित उपागमों में कैसे किया जाता है :

1. विशेषक उपागम
2. मनोविश्लेषक उपागम
3. मानवतावादी उपागम
4. गुण उपागम